गोयल से मिले अमेरिका के मंत्री लुटनिक

अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा के बाद तेजी से बदली परिस्थितियां

नयी दिल्ली, 27 फरवरी. अमेरिका के वाणिज्य मंत्री होवर्ड लुटनीक ने यहां वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की.

गत 07 फरवरी को अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा के बाद तेजी से बदली परिस्थितियों के बीच उनके इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. दोनों पक्षों ने चर्चा को 'सकारात्मक' बताया है हालांकि आधिकारिक रूप से इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गयी है. बैठक में भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गेई गोर भी मौजूद थे.

माना जा रहा है कि श्री गोयल और श्री लुटनिक के बीच आज की बैठक में अंतरिम समझौते और बदली परिस्थितियों के बीच उसके भविष्य पर ही मुख्य रूप से चर्चा हुई है.

श्री गोयल ने इस मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अमेरिका के वाणिज्य मंत्री होवर्ड लुटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्गेई गोर के आतिथ्य का मौका मिला. दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी के विस्तार को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई.' श्री गोर ने दोपहर के खाने पर हुई इस बैठक को सकारात्मक बताते हुए लिखा कि दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग के अवसर हैं.

> उल्लेखनीय है कि अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया था. साथ ही कई अमेरिकी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को खोलने का प्रावधान है. हालांकि उसके बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल बिना संसद की अनुमति के ट्रंप प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के खिलाफ आयात शुल्क की ऊंची दरों के आदेश को रद्द कर दिया. इसके बाद वहां की सरकार ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत की एक समान आयात शुल्क लगाने का आदेश जारी किया है. इस घटनाक्रम के बाद अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए इस सप्ताह के आरंभ में अमेरिका जाने वाले भारतीय दल के दौरे को रद्द कर दिया गया है.

रुपया 90 .91 प्रति डॉलर पर स्थिर

मुंबई, 27 फरवरी. अंतर बैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया लगभग स्थिर रहा और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.9150 रुपये का बोला गया.

भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर चार पैसे चढ़कर 90.91 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी.

रुपया आज पांच पैसे की मजबूती के साथ 90.86 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. दिन में यह ऊपर 90.81 रुपये तक और नीचे 90.94 रुपये प्रति डॉलर तक गया.

विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में लिवाली और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट से रुपये को समर्थन मिला. दूसरी तरफ, दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में तेजी से भारतीय मुद्रा पर दबाव बढ़ा.

नौसेना में शामिल होने जा रहे आईएनएस अंजदीप

सेल सेना के लिए भारी मात्रा में करेगा स्टील की आपूर्ति

नयी दिल्ली, 27 फरवरी. सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आईएनएस अंजदीप के निर्माण में जरूरी विशेष ग्रेड के स्टील की पूरी मात्रा की आपूर्ति की है.

आईएनएस अंजदीप भारतीय नौसेना में शामिल होने जा रहा तीसरा एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट कार्वेट है. इससे पहले पिछले साल आईएनएस अर्णाला और आईएनएस आंद्रोत भी शामिल किये जा चुके हैं.

नौसेना के पुराने होते 'अभय-श्रेणी' के जहाजों के स्थान पर इन कार्वेट का निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है. इस रणनीतिक प्रयास में योगदान देते हुए सेल ने जीआरएसई द्वारा बनाये जा रहे आठ एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट कार्वेट के लिए लगभग 3,500 टन विशेष-ग्रेड स्टील की पूरी मात्रा की आपूर्ति की है. इस स्टील की आपूर्ति सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों से की गई है, जो घरेलू आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को रेखांकित करता है.

यह उपलब्धि रक्षा विनिर्माण में देश को आत्मनिर्भर बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने के प्रति सेल की प्रतिबद्धता को उजागर करती है.

वाहन खरीदने में यूपी, महाराष्ट्र, गुजरात के लोग रहे सबसे आगे

नयी दिल्ली, 27 फरवरी. वाहन खरीदने के मामले में चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के लोग सबसे आगे रहे.

वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान देश में कुल 12.76 लाख यात्री वाहन बिके. इसमें 12.4 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर रहा जिसमें 1.58 लाख वाहन बिके. उत्तर प्रदेश 10.8 फीसदी के साथ दूसरे और गुजरात 8.2 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर रहा. यात्री वाहनों में कार, उपयोगी वाहन और वैन आते हैं.

घरेलू बाजार में तिमाही के दौरान दुपहिया की कुल बिक्री 56.96 लाख इकाई रही. सबसे ज्यादा 8.62 लाख इकाई (15.1 प्रतिशत) की बिक्री उत्तर प्रदेश में हुई. महाराष्ट्र (11.3 प्रतिशत) दूसरे, तमिलनाडु (8.0 प्रतिशत) तीसरे और गुजरात (7.4 प्रतिशत) चौथे स्थान पर रहा. खास बात यह है कि कुछ राज्य जो यात्री वाहनों की खरीद में काफी पीछे थे, दुपहिया की खरीद में काफी आगे दिख रहे हैं.

बंगाल के किसानों के लिए 'टकाई' कीटनाशक लॉन्च

धान समेत कई फसलों में कीट नियंत्रण का नया समाधान,

साइक्लेप्रिन टीएम तकनीक से मिलेगा लंबा संरक्षण

कोलकाता, 27 फरवरी. भारत की अग्रणी एग्री-बिजनेस कंपनी गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने किसानों को सशक्त बनाने और पश्चिम बंगाल की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से नया मल्टी-क्रॉप कीटनाशक 'टकाई' लॉन्च किया है.

आईएसके जापान द्वारा विकसित साइक्लेप्रिन तकनीक से संचालित यह उत्पाद लेपिडोप्टेरन (इल्ली/सुंडी वर्ग) कीटों पर तेज़ और प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है. कंपनी को धान, मक्का, चना और सोयाबीन के लिए लेबल अनुमोदन मिल चुका है, जबकि पत्ता गोभी और मिर्च के लिए विस्तार की प्रक्रिया जारी है. पश्चिम बंगाल, जिसे 'भारत का चावल का कटोरा' कहा जाता है और जहां हर साल लगभग 15 मिलियन टन धान का उत्पादन होता है, वहां तना छेदक (येलो स्टेम बोरर) और लीफ फोल्डर जैसे कीट 20 से 40 प्रतिशत तक पैदावार घटा सकते हैं. मक्का में फॉल आर्मीवर्म 25-30 प्रतिशत, जबकि गंभीर स्थिति में 60 प्रतिशत से अधिक नुकसान कर सकता है. सोयाबीन में स्पोडोप्टेरा और सेमीलूपर से 20-30 प्रतिशत तक हानि होती है. गोदरेज एग्रोवेट के क्रॉप प्रोटेक्शन बिज़नेस के सीईओ एन.के. राजवेलु ने कहा कि प्रभावी कीट प्रबंधन किसानों की सफलता की कुंजी है. 'टकाई' तेजी से कीटों की खुराक रोकता है और लंबे समय तक सुरक्षा देता है, जिससे फसल की सेहत और गुणवत्ता में सुधार होता है. धान बहु-ऋतु फसल है खरीफ, रबी और ग्रीष्म और पूरे वर्ष कीट प्रकोप की आशंका रहती है. प्रारंभिक अवस्था (15-30 दिन बाद) में तना छेदक और 40-60 दिन के बीच तना छेदक व लीफ फोल्डर अधिक सक्रिय रहते हैं. इन चरणों में 'टकाई' का 160 मिली प्रति एकड़ की अनुशंसित मात्रा में छिड़काव प्रभावी माना गया है.

> पिछले वर्ष मक्का के लिए 'अशिताका' हर्बीसाइड लॉन्च करने के बाद 'टकाई' की शुरुआत के साथ कंपनी ने नवाचार और किसान-केंद्रित उत्पाद विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है. यह पहल राज्य की कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय स्थिर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है.

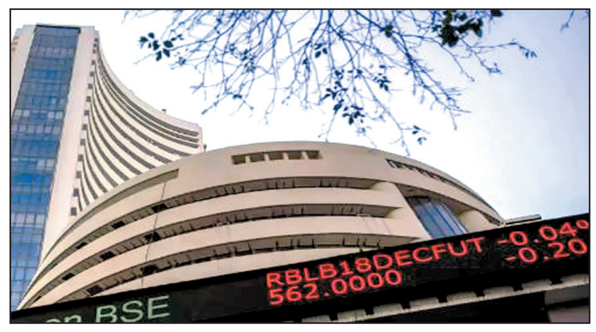

जीडीपी के आंकड़ों से पहले लुढ़के शेयर बाजार

961 अंक पर गिरा सेंसेक्स

317 अंक पर लुढ़का निफ्टी

मुंबई, 27 फरवरी. सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से पहले शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गयी. बीएसई का सेंसेक्स 961.42 अंक (1.17 प्रतिशत) गिरकर 81,287.19 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की निफ्टी-50 सूचकांक भी 317.90 अंक यानी 1.25 प्रतिशत लुढ़ककर 25,178.65 अंक पर रहा. यह दोनों सूचकांकों का लगभग चार सप्ताह का निचला स्तर है.

बाजार में यह गिरावट जीडीपी के आंकड़े जारी होने से ठीक पहले दर्ज की गयी है. जीडीपी के सरकारी आंकड़े आज ही जारी होने हैं. आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और मीडिया समूहों को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में बिकवाली हावी रही. रियलटी, ऑटो, एफएमसीजी, धातु, फार्मा, बैंकिंग, स्वास्थ्य और रसायन समूहों पर अधिक दबाव रहा.

> मझौली और छोटी कंपनियों में भी गिरावट रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.06 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.10 प्रतिशत नीचे बंद हुआ. सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, मारुति सुजुकी, सनफार्मा, हिंदुस्तान यूनीलिवर और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर दो से ढाई प्रतिशत के बीच गिर गये. अडानी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड, टाटा स्टील, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक और बीईएल के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच टूटे. रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टीसीएस, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर भी लाल निशान में रहे. एचसीएल टेक्नोलॉजीज और ट्रेंट के शेयर एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में बंद हुए. इंफोसिस में भी तेजी रही.

हंसलपुर प्रोजेक्ट बना वैश्विक बेंचमार्क

अहमदाबाद, 27 फरवरी. गुजरात के हंसलपुर स्थित रेलवे साइडिंग प्रोजेक्ट ने भारतीय रेलवे को ऑटोमोबाइल लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाई है. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के तहत विकसित इस प्रोजेक्ट 'वेरा कार्बन स्टैंडर्ड' के तहत दुनिया का पहला 'मोडल शिफ्ट ट्रांसपोर्टेशन प्रोजेक्ट' घोषित हुई है.

पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे ने कार ट्रांसपोर्टेशन में ऐतिहासिक छलांग लगाई है. वर्ष 2010-13 के दौरान रेल की तरफ से मात्र 1-1.5% थी और सालाना 40-60 हजार कारें ही रेल से गुजरती थीं. वर्तमान में यह तरफ से 20-24% तक पहुंच गई है और प्रतिवर्ष 10 लाख से ज्यादा कारों का ट्रांसपोर्टेशन रेल से हो रहा है- जो लगभग 20 गुना बढ़ोतरी दिखाता है.

इस सफलता के पीछे एएफटीओ योजना, आधुनिक एनएमजीएच एवं बीसीएसीबीएम वैगनों की ढुलाई और हंसलपुर, मानेसर व चेन्नई जैसे ऑटो हब में इन-प्लांट साइडिंग्स के विकास के प्रमुख कारण हैं. रेल ट्रांसपोर्टेशन सड़क की तुलना में 15-20% सस्ता और 60-70% कम कार्बन कार्य करने वाला है. हंसलपुर परियोजना से करीब 1.7 लाख टन CO2 काम में कमी का अनुमान है.

नयी सीरीज पर जीडीपी के पहले आंकड़े जारी

नयी दिल्ली, 27 फरवरी. वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि तीसरी तिमाही में जीडीपी 84.54 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है जबकि पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी 78.41 लाख करोड़ रुपये रहा था. ये आंकड़े नये आधार वर्ष 2022-23 की सीरीज पर आधारित हैं.नयी सीरीज पर आधारित जीडीपी का यह पहला आंकड़ा है.

देश में ही बनेगा एमआरएफ स्टील

नयी दिल्ली, 27 फरवरी. आम तौर बिजली के ट्रांसफॉर्मरों में इस्तेमाल होने वाला एमआरएफ स्टील अब देश में ही बनेगा, भारत अब तक इसका आयात करता रहा है.

जापानी कंपनी प्रोटेरियल की भारतीय इकाई प्रोटेरियल इंडिया ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कंपनी मेटग्लास इंडिया के नाम से कारोबार करेगी. कंपनी ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में जनवरी में फैक्ट्री लगाने का काम शुरू किया है और इस साल अक्टूबर तक उत्पादन आरंभ होने की उम्मीद है.

प्रोटेरियल के मुख्य कार्यकारी अधिकार सीन एम. स्टैक ने बताया कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और बड़े बाजार को देखते हुए कंपनी ने भारत में अपना तीसरा संयंत्र लगाने का फैसला किया है. इससे पहले कंपनी के दो संयंत्र जापान के यासुगी और अमेरिका के साउथ कैरोलिना में हैं.

भाजपा ने चलाया 'कॉम्प्रोमाइज्ड कांग्रेस' अभियान

सोशल मीडिया पर पोस्टस् का सैलाब

नई दिल्ली. भाजपा ने 25 फरवरी को मेगा सोशल मीडिया कैंपेन लॉन्च किया है, भाजपा के दिग्गज नेता अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर रहे हैं. पोस्ट में एआई फोटो से लेकर ग्राफिक्स का इस्तेमाल देखने को मिल रहा है और कांग्रेस को टारगेट किया जा रहा है. इस अभियान के चलते कई नेताओं ने अलग-अलग पोस्ट किए हैं, सबने 'कॉम्प्रोमाइज्ड कांग्रेस' सीरीज टाईटल के साथ पोस्ट के जरिए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है.

बीजेपी के वरिष्ट नेता और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी द्वारा भारत को वैश्विक मंच पर अपमानित करने के लिए बिना शर्ट पहने पुरुषों को एआई शिखर सम्मेलन में भेजना, भारत की छवि और हितों से समझौता करने की उनकी पारिवारिक विरासत की निरंतरता मात्र है. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के पोस्ट में भी यही सीरीज टाइटल के साथ चार फोटो शेयर कि गई हैं, हर फोटो में अलग-अलग कांग्रेस नेता है और उनके फोटो के साथ उनके कार्यकाल के दौरान हुए ऐतिहासिक फैसलों और विवादों जैसे यूएनएससी सीट, तिब्बत मुद्दा,1962 युद्ध आदि का जिक्र किया गया है. सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने भी पोस्ट किया, इमेज साझा की जिसमें राहुल गांधी एक दुकान के बाहर खड़े हुए हैं और दुकान पर नफरत की दुकान लिखा हुआ है, इसी इमेज में राहुल एक युवक से कहते हुए नजर आ रहे हैं कि जाओ कपड़े उतार के देश को बदनाम करो.

> **भाजपा अध्यक्ष भी कर चुके हैं प्रेस कॉन्फ्रेंस**
>
> दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार यानी 25 फरवरी को कांग्रेस पार्टी पर कांग्रेस के समझौता कर चुके प्रधानमंत्री वाले बयान पर तीखा पलटवार किया, भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया की देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपने पूरे कार्यकाल में बार-बार देश की सीमाओं को लेकर समझौते किए हैं. इस कॉन्फ्रेंस में नितिन नबीन ने कई मुद्दे उठाए और कांग्रेस को घेरा.

पीसीएस अलंकार ने भरी सियासी हुंकार

बांके बिहारी की नगरी से किया नई पार्टी का ऐलान, 2027 चुनाव में ठोकेंगे ताल?

लखनऊ. बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट के पद से इस्तीफा देने के बाद चर्चा में आए अलंकार अग्निहोत्री ने भगवान कृष्ण की नगरी वृंदावन से एक बयान जारी किया है. उन्होंने एक नई पार्टी का ऐलान किया है.

उन्होंने अपनी पार्टी का नाम 'राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा' रखा है और पार्टी का सिंबल भी जारी किया है. अलंकार अग्निहोत्री ने यूजीसी एक्ट और शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान को लेकर अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था. अलंकार अग्निहोत्री ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए नई पार्टी बनाने का ऐलान किया. उन्होंने कहा कि वह सबसे पहले बांके बिहारी मंदिर जाएंगे और पूजा-अर्चना करने के बाद अपनी नई पार्टी के नाम का ऐलान करेंगे. उन्होंने आज बांके बिहारी की नगरी वृंदावन से यह ऐलान किया. कहा जा रहा है कि वो आने वाले 2027 यूपी विधानसभा चुनाव में जोर आजमाइश करने वाले हैं. अलंकार 2019 बैच के पीसीएस ऑफिसर हैं.

> **इस्तीफे के वक्त क्या बोले थे अलंकार?**
>
> अलंकार अग्निहोत्री ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों को काला कानून बताया. उन्होंने संतों के अपमान पर भी गहरी चिंता जताई. अलंकार ने यह भी कहा कि सरकार ऐसा सिस्टम बनाने जा रही है जिससे समाज जाति के आधार पर बंट जाएगा. कुछ ही समय में सिविल वॉर की स्थिति बन जाएगी. इस दौरान उन्होंने ब्राह्मण समुदाय के सांसदों विधायकों पर भी निशाना साधा.

पवन खेड़ा तमिलनाडु से क्यों?

चेन्नई. दो साल पहले राज्यसभा के दोवार्षिक चुनाव में जब कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा को राज्यसभा की सीट नहीं मिली थी तब उन्होंने सार्वजनिक रूप से पोस्ट लिख कर अपनी तकलीफ जाहिर की थी. उन्होंने लिखा था कि शायद तपस्या में कोई कमी रह गई थी.

इस बार ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस पार्टी उनकी तपस्या का फल देना चाहती है. तभी खबर है कि कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार की रात को चेन्नई में डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से एक राज्यसभा सीट की मांग की तो उन्होंने पवन खेड़ा को उच्च सदन में भेजने की बात कही. वैसे वेणुगोपाल विधानसभा की सीटें बढ़वाने के लिए गए थे लेकिन बात नहीं बनी तो उन्होंने अपने 18 विधायकों के दम पर एक राज्यसभा सीट की मांग कर दी. लेकिन सवाल है कि कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा को तमिलनाडु से क्यों राज्यसभा में लाना चाहती है? तमिलनाडु में दो महीने में चुनाव है और वहां द्रविड और बाहरी का विवाद बहुत ज्यादा रहता है. स्टालिन तमिल अस्मिता के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं फिर उत्तर भारत के किसी नेता को कैसे राज्यसभा भेजेंगे? तभी यह भी कहा जा रहा है कि कहीं कांग्रेस पवन खेड़ा के सामने दिखावा तो नहीं कर रही है? अगर वह सचमुच गंभीर है तो तीन महीने बाद मई में राजस्थान की तीन सीटों के लिए चुनाव होंगे, जहां से कांग्रेस को एक सीट मिलेगी. वहां से पवन खेड़ा को भेजा जा सकता है. मई में मध्य प्रदेश में भी एक सीट खाली हो रही है वहां से भेज सकते हैं. अभी हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में कांग्रेस को एक एक सीट पक्के तौर पर मिल सकती है. वहां से खेड़ा को भेजा जा सकता है लेकिन कांग्रेस उनको तमिलनाडु ले जाना चाहती है.

विशेष असम में बहेगी बदलाव की आंधी? चुनाव में होगा लीडरशिप का रियल टेस्ट

हिमंत का सिंहासन हिला पाएंगी प्रियंका?

नई दिल्ली. कांग्रेस महासचिव और असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष प्रियंका गांधी असम की असम से दिल्ली वापसी हो चुकी है. राजधानी पहुंचते ही उन्होंने राजधानी में एक बड़ी मीटिंग की. शायद यह पहली बार है जब किसी राज्य की स्क्रीनिंग कमेटी के मुखियो के दौरे को इतनी अहमियत दी गई है.

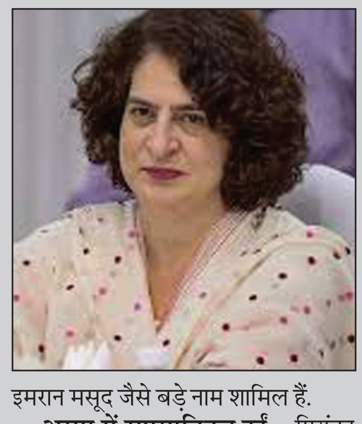

सियासी गलियारों में चर्चा है कि प्रियंका के दौरै को महत्व सिर्फ इसलिए नहीं दिया जा रहा है कि उनके नाम के पीछे गांधी जुड़ा हुआ है. क्योंकि स्क्रीनिंग कमेटी के दूसरे सदस्यों में कर्नाटक के डिप्टी चीफ मिनिस्टर डीके शिवकुमार, छत्तीसगढ़ के पूर्व चीफ मिनिस्टर भूपेश बघेल और सांसद इमरान मसूद जैसे बड़े नाम शामिल हैं.

असम में सुपरएक्टिव हुईं - प्रियंका गांधी असम के 21 विधायक, तीन सांसद, जिला प्रेसिडेंट और ब्लॉक हेड से मिल चुकी हैं. हालांकि, प्रियंका गांधी को असम में पार्टी के अंदर बगावत और सांगठनिक चुनौतियों समेत बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. भूपेन बोरा का कांग्रेस पार्टी छोड़ना पार्टी के लिए एक बड़ा झटका है. बोरा पिछले 30 सालों से कांग्रेस के सदस्य थे. वह राज्य कांग्रेस के मुखिया भी रह चुके हैं.

प्रियंका को लिए चुनौती क्या?- गौरव गोगोई को असम का प्रदेश प्रेसिडेंट बनाए जाने के बाद से बोरा असहज महसूस कर रहे थे. भूपेन बोरा ने गौरव गोगोई पर रकीबुल हुसैन को ज़्यादा तरजीह देने का आरोप लगाया है. भूपेन बोरा ने ऐलान किया है कि 8 मार्च को उनके साथ कई और कांग्रेस नेता भी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होंगे. भूपेन बोरा के कांग्रेस छोड़ने के बाद प्रियंका गांधी के लिए सबसे बड़ी चुनौती पार्टी को एकजुट रखना होगा, क्योंकि पिछले कई सालों में कई एमएलए पार्टी छोड़ चुके हैं. प्रियंका की सबसे बड़ी प्राथमिकता चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी से नेताओं के इस पलायन को रोकना होगा.

> **छोटी पार्टियों से अलायंस करेगी कांग्रेस**
>
> असम में कई और छोटी पार्टियां हैं जिनके साथ कांग्रेस अलायंस कर सकती है. कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि असम में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा के अग्रेसिव पॉलिटिकल स्टाइल का मुकाबला करना है. इस मामले में प्रियंका गांधी का अपना पॉलिटिकल स्टाइल असरदार हो सकता है, क्योंकि वह भी प्रियंका गांधी पर सीधे कमेंट करने से बचेंगी.